TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

25 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

हर व्यक्ति में अच्छाई होती है, उसे सिर्फ

तलाशने की जरूरत है।

सुकरात

राकेश कुमार

25 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

इन्सान का सबसे बड़ा दुश्मन
उसका गुरुर होता है।

– मुंशी प्रेमचंद

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

25 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार 25 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"शिक्षा की जड़ें कड़वी होती है, लेकिन फल बहुत ही मीठा होता है।"

– अरस्तु

"The roots of education are bitter but the fruit is sweet."

-Aristotle

आज के दिन

1565– तेल्लीकोटा की लड़ाई में विजयनगर साम्राज्य नष्ट हुआ।

1880– प्रसिद्ध समाज सुधारक केशवचन्द्र सेन ने ब्रह्मसमाज में ईसाई एवं वैष्णव भक्ति को अंगीकार करके नवविधान या भारतीय ब्रह्मसमाज की शुरूआत की।

1924– फ्रांस के शैमॉनिक्स में पहले शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन हुआ।

1971– एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट का प्रारंभ हुआ। यह इंग्लैंड ओर ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबॉर्न (ऑस्ट्रेलिया) में खेला गया था।

2002– अर्जुन सिंह भारतीय वायु सेना के पहले 'एयर मार्शल' बने।

1. **राष्ट्रीय मतदाता दिवस**– भारत निर्वाचन आयोग आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 ई. को की गई थी। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश भर के सभी मतदान केन्द्र वाले क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष उन सभी पात्र मतदाताओं की पहचान की जाएगी, जिनकी उम्र 18 वर्ष हो चुकी होगी। इस सिलसिले में 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज किए जाएँगे और उन्हें निर्वाचन फोटो पहचान पत्र सौंपे जाएँगे। इस प्रकार, मतदान की प्रक्रिया में भारतीय नागरिकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने और उन्हें सशक्त, सतर्क, सुरक्षित एवं जागरूक बनाने का लक्ष्य है।

   वर्ष 1950 में स्थापित चुनाव आयोग के 61वें स्थापना वर्ष पर 25 जनवरी, 2011 को तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने का शुभारंभ किया था। तब से लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

   - **संदर्भ: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन भाग 1 अध्याय 6 तथा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन भाग 2, अध्याय 1** के संदर्भ में।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों से चर्चा करें कि मतदाता सूची क्या होती है? मतदान करना क्यों जरूरी है। बच्चों को अपने अभिभावकों को मतदान करने के लिए जागरूक करने के लिए प्रभात फेरी, नारा लेखन कार्यक्रमों का आयोजन करें।

2. **राष्ट्रीय पर्यटन दिवस**– राष्ट्रीय पर्यटन दिवस प्रतिवर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की महत्ता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है।

3. **हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा**– 1950 ई. में हिमाचल प्रदेश को केन्द्रशासित प्रदेश घोषित किया गया था। वर्ष 1971 में हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम–1971' के अन्तर्गत 25 जनवरी, 1971 ई. को भारत का अठारहवां पूर्ण राज्य बना दिया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मति इंदिरा गांधी ने शिमला आकर भारी बर्फबारी के बीच हिमाचलवासियों के समक्ष हिमाचल प्रदेश का 18वें राज्य के रूप में उद्घाटन किया था। यशवंत सिंह परमार यहाँ के प्रथम मुख्यमंत्री चुने गए। उन्हें 'हिमाचल प्रदेश के निर्माता' के रूप में भी जाना जाता है। हिमाचल का शाब्दिक अर्थ है 'बर्फीले पहाड़ों का अंचल'। हिमाचल प्रदेश को 'देवभूमि' भी कहा जाता है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला है। हिमाचल के उत्तर में जम्मू कश्मीर, दक्षिण–पश्चिम में पंजाब, दक्षिण में हरियाणा और उत्तर प्रदेश एवं पूर्व में तिब्बत है। हिमाचल का राजकीय पशु हिमतेंदुआ, राज्य तितली ब्लू मोरमॉन और राजभाषा हिंदी, पहाड़ी एवं डोगरी है।

   - **क्या आप जानते हैं?** हिमाचल अपना स्थापना दिवस 15 अप्रैल को मनाता है।

4. **गणतंत्र दिवस की तैयारी**– आज आप अपने विद्यालय और आस–पास के क्षेत्रों में सफाई कार्यक्रम का आयोजन करें। अपने विद्यालय में गणतंत्र दिवस की पूर्व तैयारी कर लें। आज शाम को आप गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संदेश भी दूरदर्शन, रेडियो पर देख–सुन सकते हैं।

   - **संदर्भ:** संस्कृत की पाठ्यपुस्तक **'अमृता' भाग 2, अध्याय 4, पृष्ठ 36** से जोड़कर बच्चों को बतायें।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

25 जनवरी

मधु प्रिया

राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी

भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक देश है, जहां जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता का शासन होता है। भारत की आजादी के बाद 26 जनवरी 1950 में देश में संविधान लागू हुआ। भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिकों को कुछ अधिकार दिए गए। इन अधिकारों के साथ ही आदर्श नागरिक के लिए कुछ कर्तव्य भी निर्धारित किए गए। संविधान में भारत के नागरिक के जो कर्तव्य हैं, उनमें से एक मतदान का अधिकार है। वोटर का बहुमूल्य मत दल विशेष को पांच साल के लिए सत्ता में लाता है। इस तरह के देश व राज्य के लिए विकास के लिए एक नागरिक होने का कर्तव्य पूरा कर सकते हैं। हालांकि देश में मतदान का रुझान कम है। वोटरों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष जनवरी माह में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। 18 वर्ष की आयु के बाद हर आयु, वर्ग और लिंग के लोगों को मतदान का अधिकार है। हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग इस साल पूरे देश में 11वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाएगा। 25 जनवरी 2011 में तात्कालिक राष्ट्रपति प्रतिभा देवी पाटिल ने 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' का शुभारंभ किया था।राष्ट्रीय मतदाता दिवस को 25 जनवरी के दिन मनाने का एक खास कारण है। भारत की आजादी के तीन वर्ष बाद जब 1950 में 26 जनवरी को संविधान लागू किया गया, तो उससे एक दिन पहले यानी 25 जनवरी 1950 को चुनाव आयोग की स्थापना हुई। भारत के चुनाव आयोग के स्थापना दिवस के दिन राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने का फैसला लिया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का हर वर्ष आयोजन सभी भारत के नागरिकों को अपने राष्ट्र के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन लोगों को यह भी बताता है कि हर व्यक्ति के लिए मतदान करना जरूरी है। भारत के प्रत्येक नागरिक का मतदान प्रक्रिया में भागीदारी जरूरी है, क्योंकि आम आदमी का एक वोट ही सरकारें बदल देता है। हम सबका एक वोट ही पलभर में एक अच्छा प्रतिनिधि भी चुन सकता है और एक बेकार प्रतिनिधि भी चुन सकता है इसलिए भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने मत का प्रयोग सोच-समझकर करना चाहिए और ऐसी सरकारें या प्रतिनिधि चुनने के लिए करना चाहिए, जो कि देश को विकास और तरक्की के पथ पर ले जा सकें।

हरिवंश राय बच्चन जी का जन्म 27 नवम्बर 1907 को

पुण्यतिथि विशेष 25 जनवरी

राकेश कुमार

कृष्णा सोबती *Krishna Sobti*, जन्म: 18 फ़रवरी, 1925, गुजरात(अब पाकिस्तान में) - निधन: 25 जनवरी 2019, दिल्ली) अपनी साफ-सुधरी रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के लिए जानी जाती हैं। इन्होंने हिन्दी की कथा-भाषा को अपनी विलक्षण प्रतिभा से अप्रतिम ताज़गी और स्फूर्ति प्रदान की है। कृष्णा सोबती ने पचास के दशक से ही अपना लेखन कार्य प्रारम्भ कर दिया था। इनकी पहली कहानी 'लामा' थी, जो 1950 ई. में प्रकाशित हुई थी।

दिवस प्रेरणा 25

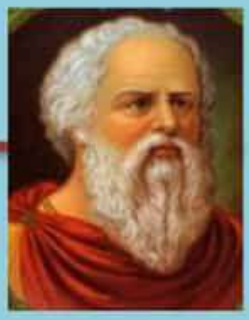

सुकरात

(यूनानी दार्शनिक)

विष पीकर जान गंवानी पड़ी ...

संघर्ष

सुकरात एथेंस के एक प्राचीन यूनानी दार्शनिक थे। वह देखने में ठिंगना कद का और असुंदर था। उसके पिता एक मूर्तिकार था और माँ दाई का काम करती थी। उसका जीवन बहुत ही सादा और गरीबी में बीता। युवावस्था में सेना में काम किया। सेना से रिटायर होने के बाद धनोपार्जन के कोई साधन न होने के कारण पत्नी से कलह होते रहता था। अपना समय लोगों से वार्तालाप और बहस में बिताता था। कुछ लोग उसकी तर्क और बहस से प्रभावित होने लगे। कुछ लोग उसकी लोकप्रियता से जलने लगे। सुकरात पर आरोप लगाया गया कि वे देवताओं की पूजा नहीं करते और नास्तिक हैं। साथ युवाओं को भड़काने और बरगलाने का काम करते हैं। उनपर देशद्रोह का मुकदमा चलाया गया। उन्हें विष पिलाकर मौत देने की सजा दी गई।

सफलता

एक कुशल तर्कशास्त्री के रूप में उसकी धाक उसके जीवनकाल में ही जम गई थी। सुकरात के मरने के बाद एथेन्स के निवासियों को अपनी भूल समझ आ गई। सुकरात को 'पाश्चात्य दर्शनशास्त्र का जन्मदाता' कहा जाता है। उन्होंने स्वयं कोई ग्रंथ नहीं लिखा, पर उनके शिष्यों ने उनके विचारों को पुस्तकों का रूप दिया है। उसके आधार पर सुकरात को सबसे कुशल तर्कशास्त्री और महान विचारकों में गिनती की जाती है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **25.01.2025**

उपाख्यानात्मक रिकॉर्ड

यह एक लिखित कथा है जो विशिष्ट परिस्थितियों में बच्चे के व्यवहार और कार्यों का विस्तृत और वस्तुनिष्ठ विवरण प्रदान करती है। इस अवलोकन पद्धति में बच्चे का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करना और बिना किसी निर्णय या व्याख्या के जो कुछ देखा और सुना जाता है उसे रिकॉर्ड करना शामिल है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

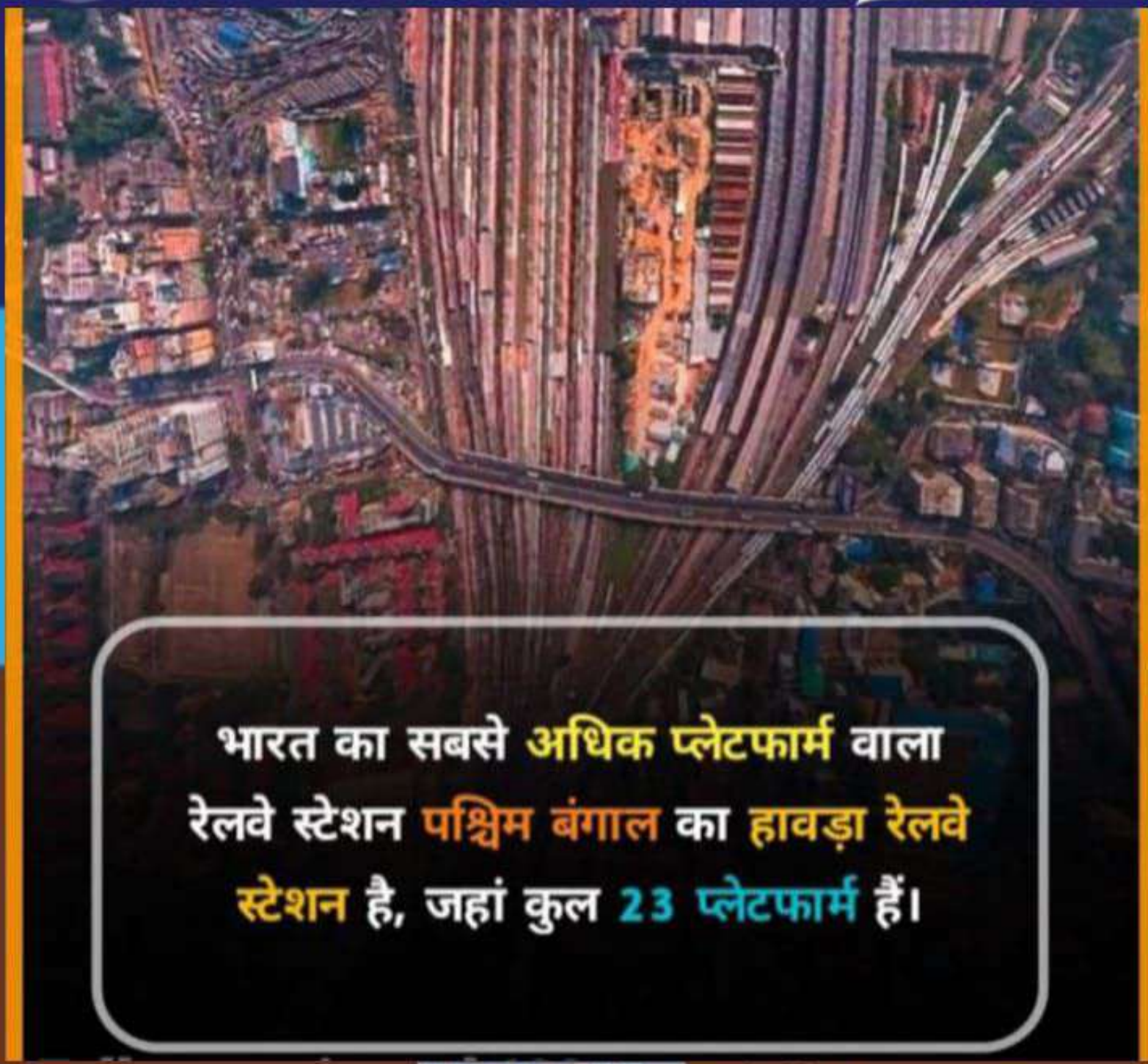

घुड़सवारी

जय सबरवाल को वर्ल्ड जंपिंग चैलेंज में दूसरी रैंक: 27 देश के 183 प्लेयर्स उतरे; पिछले साल 14 गोल्ड जीते, विरासत में मिली घुड़सवारी

भारत के युवा घुड़सवार जय सिंह सबरवाल ने वर्ल्ड जंपिंग चैलेंज की बी कैटेगरी में दूसरी रैंक हासिल की है। वे रविवार, 19 जनवरी को जारी चैंपियनशिप की रैंकिंग में 2.59 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे। रूस के एला वीटा कस्टेलिक (0.12 अंक) के साथ पहले स्थान पर रहे। इक्वाडोर के जुआन फ्रेंसिसको (2.71 अंक) तीसरे नंबर पर रहे। इस प्रतियोगिता में 27 देशों के 183 घुड़सवारों ने हिस्सा लिया।

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

फास्फोरस (Phosphorus)

संकेत (symbol) - P

परमाणु संख्या Atomic no. -15

समूह (group)-15

आवर्त (period)-3

परमाणु भार A.weight -30.974

ब्लाक (Block)-P

संयोजकता (valancy)-5

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[Ne]3s^2 3p^3$

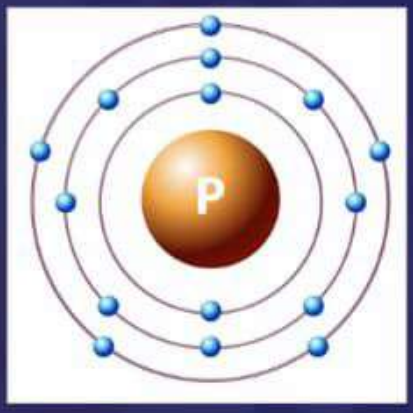

खोज

1669, हेनिंग ब्राट

भौतिक गुण

रंगहीन, अर्धपारदर्शी , मुलायम,ठोस, अधातु

रासायनिक गुण

हवा में स्वयं जलना, अत्यधिक प्रतिक्रियाशील,जल में अधुलनशील

उपयोग

खाद्य पदार्थ, उर्वरक, टूथपेस्ट, डिटर्जेंट, कीटनाशक आदि के निर्माण में

Anu priya

25 जनवरी

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस

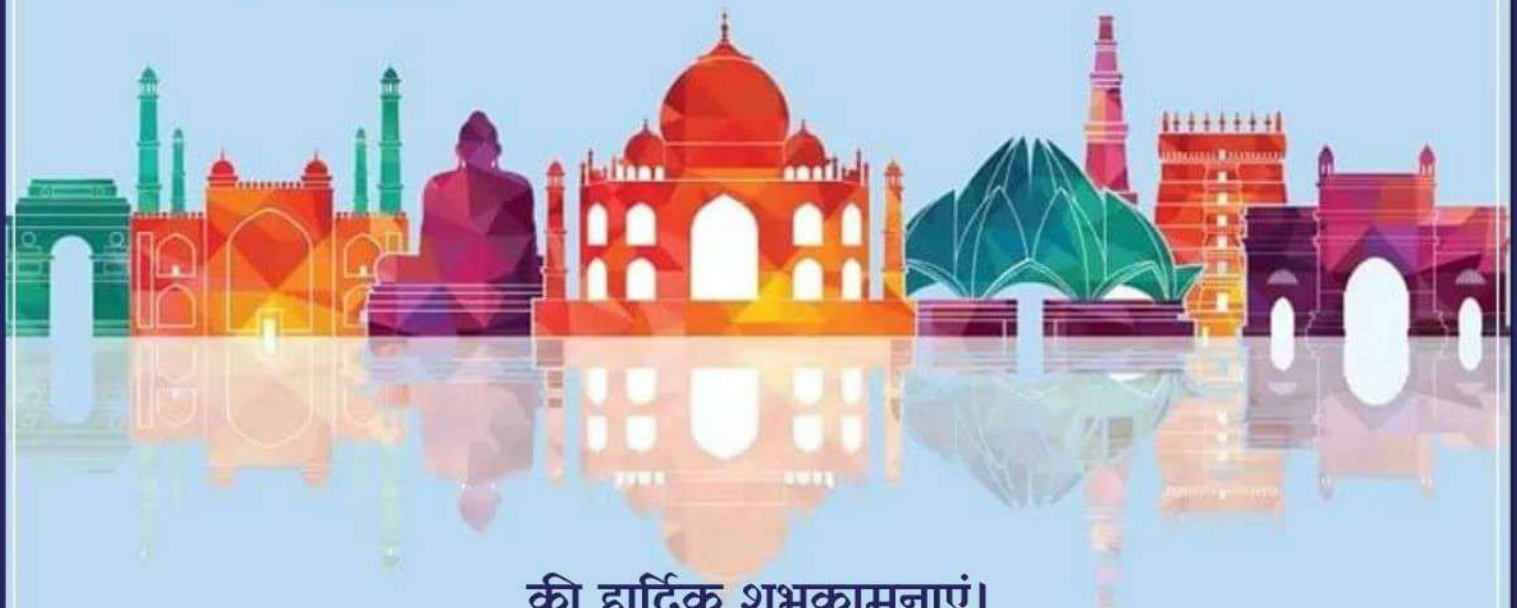

की हार्दिक शुभकामनाएं।

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

अंगुली पर लगी स्याही...
सिर्फ निशान नहीं,
आपकी शान है.. देश की पहचान है,
लोकतन्त्र की जान है..
और..

आपके
अधिकार का
सम्मान है।

आप सभी को हार्दिक बधाई

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

25 जनवरी

25 जनवरी

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

की समस्त मतदाताओं को
हार्दिक बधाई।

Madhu priya

www.teachersofbihar.org